



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 83]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 11, 2007/चैत्र 21, 1929

No. 83]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 11, 2007/CHAITRA 21, 1929

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 11 अप्रैल, 2007

फा. सं. भाप्रविबो/विधि/2123/07.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, लुधियाना स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जिसका अपना रजिस्ट्रीकृत कार्यालय फिरोज गौधी मार्केट, लुधियाना-141001 में स्थित है द्वारा, प्रतिभूति सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन किए गए मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगा और ऐसा करना लोकहित में भी होगा, एतद्वारा, प्रतिभूति सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को मान्यता का नवीकरण उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन 28 अप्रैल, 2007 को प्रारम्भ होने वाली और 27 अप्रैल, 2008 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की कालावधि के लिए प्रतिभूतियों में सविदाओं की बाबत शर्त जो इसके पश्चात् विहित या अधिरोपित की जाये के अध्वधीन प्रदान करता है।

जी. अनंतरामन्, पूर्णकालिक सदस्य

[विज्ञापन III/IV/69 जैडबी/2007-असा.]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 11th April, 2007

F. No. SEBI/LE/2123/07.—The Securities and Exchange Board of India, having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, by the Ludhiana Stock Exchange Limited having its registered office at Feroze Gandhi Market, Ludhiana-141001 and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, renewal of recognition to the said Exchange under Section 4 of the said Act, for a period of one year commencing on the 28th day of April, 2007 and ending on the 27th day of April, 2008 in respect of contracts in securities subject to the condition as may be prescribed or imposed hereafter.

G. ANANTHARAMAN, Whole Time Member

[ADVT. III/IV/69ZB/2007-Exty.]